3 फिर चूहा बन जा

• कहानी •

आश्रम	स्नान	हट्टा-कट्टा	तपोबल	मुनि	शर्म

नदी-किनारे एक आश्रम था। उस आश्रम में महातपा नामक मुनि की कुटिया थी। एक दिन महातपा मुनि नदी में स्नान करके लौट रहे थे। अचानक उनके सामने चूहे का एक छोटा-सा बच्चा आ गिरा। चूहे के बच्चे के शरीर में घाव हो गए थे। चूहे का बच्चा किसी पक्षी के पंजे से छूटकर नीचे गिरा था। महातपा मुनि को चूहे के नन्हे-से बच्चे पर दया आ गई। वे उसे उठाकर अपनी कुटिया में ले आए। मुनि ने चूहे के बच्चे के घावों पर लेप लगाया। उसे खाने के लिए चावल के दाने दिए। मुनि की सेवा से चूहे का बच्चा बिलकुल ठीक हो गया। कुछ ही दिनों में वह नन्हा-सा चूहे का बच्चा खा-पीकर हट्टा-कट्टा मोटा-सा चूहा बन गया।

एक दिन महातपा मुनि के आश्रम में एक मोटी बिल्ली आ गई। चूहे को देखकर उसके मुँह में पानी भर आया।

मौका देखकर एक दिन बिल्ली चूहे पर झपटी। लेकिन चूहा दौड़कर मुनि की गोद में जा छिपा। मुनि का ध्यान भंग हो गया।

उन्होंने देखा चूहा थर-थर काँप रहा था। एक बिल्ली उसे घूर रही थी। मुनि समझ गए कि यह चूहा बिल्ली से डर रहा है। चूहे का डर दूर करने के लिए मुनि ने अपने तपोबल से उस चूहे को बिल्ली बना दिया। अब वह चूहा बिल्ली बनकर मज़े से आश्रम में रहने लगा।

कुछ दिनों बाद उस आश्रम में एक हट्टा-कट्टा कुत्ता आ गया। बिल्ली को देखकर कुत्ता उसे पकड़ने के लिए लपका। बिल्ली भागकर मुनि की गोद में जा बैठी। मुनि ने देखा कि बिल्ली कुत्ते से डर रही थी। मुनि ने फिर अपने तपोबल से बिल्ली को कुत्ता बना दिया। अब चूहा, कुत्ता बनकर आराम से रहने लगा।

एक दिन आश्रम के पास अचानक एक बाघ आ गया। कुत्ता वहीं घूम रहा था। कुत्ते को देखकर बाघ ने उस पर हमला कर दिया। अपनी जान बचाने के लिए कुत्ता सिर पर पैर रखकर भागा और सहमा हुआ-सा मुनि के पास पहुँचा। मुनि ने सोचा—इस कुत्ते का भय दूर कर देना चाहिए। मुनि ने फिर अपने तपोबल से कुत्ते को बाघ बना दिया।

अब बाघ बनकर वह आश्रम के आस-पास ही रहने लगा। आश्रम के आस-पास के गाँववाले जब भी उस बाघ को देखते, तभी कहते यह बाघ पहले चूहा था। मुनि ने अपने तप से इसे बाघ बना दिया है। लोगों की बात सुनकर बाघ को बड़ी शर्म आती थी। एक दिन उसने सोचा, "जब तक यह महातपा मुनि जीवित रहेगा, तब तक मेरी बदनामी होती रहेगी। लोग कहते ही रहेंगे कि यह बाघ पहले चूहा था, तो क्यों न मैं इस मुनि को ही मार डालूँ।"

यह सोचकर वह बाघ एक दिन घात लगाकर बैठ गया। मुनि उसके मन की बात समझ गए। वह बाघ जैसे ही मुनि पर झपटा, वैसे ही मुनि ने कहा, "जा! फिर से चूहा बन जा", और बाघ फिर से चूहा बन गया।

शब्दकोश

भंग होना – टूटना। **घूरना** – एकटक देखना। **अचानक** – सहसा। **सहमा हुआ** – डरा हुआ। **तप** – तपस्या। **शर्म** – लज्जा। **जीवित** – ज़िंदा। **आश्रम** – साधु-संतों के रहने का स्थान।

विशेष : मानक वर्तनी के प्राचीन एवं नवीन रूप

बच्चा – बच्चा   पञ्जा – पंजा   हट्टा-कट्टा – हट्टा-कट्टा   कुत्ता – कुत्ता

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

समेटिव असेसमेंट

क. मुनि ने घायल चूहे के बच्चे को किस प्रकार स्वस्थ चूहा बना दिया? ____________

ख. मुनि ने अपने तपोबल से चूहे का क्या बना दिया? ____________

ग. चूहे से बने बाघ ने मुनि पर ही हमला करने की क्यों सोची? ____________

घ. इस कहानी से क्या सीख मिलती है? ____________

2. सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए:

MCQs

क. चूहे का बच्चा बिलकुल ठीक हो गया क्योंकि:

- ☐ मुनि ने चूहे को वापस बिल में पहुँचा दिया।
- ☐ चूहे का बच्चा भागकर सुरक्षित स्थान पर पहुँच गया।
- ☐ मुनि ने उसके खाने-पीने का पूरा ध्यान रखा तथा उसकी सेवा की।

ख. मुनि का ध्यान भंग हो गया क्योंकि:

- ☐ चूहा दौड़कर मुनि की गोद में जा छिपा।
- ☐ बिल्ली मुनि पर झपटी।
- ☐ बिल्ली चूहे पर झपटी थी।

3. उचित शब्द द्वारा खाली स्थान भरिए:

कुत्ता	शर्म	दया	बिल्ली

क. मुनि महातपा को चूहे के बच्चे पर ____________ आ गई।

ख. मौका देखकर एक दिन ____________ चूहे पर झपटी।

ग. मुनि ने अपने तपोबल से बिल्ली को ____________ बना दिया।

घ. लोगों की बात सुनकर बाघ को ____________ आती थी।

4. सही वाक्य के आगे ✓ लगाइए:

क. घायल चूहे के बच्चे को उठाकर मुनि अपनी कुटिया में ले आए। ☐

ख. चूहे को देखकर मुनि के मुँह में पानी भर आया। ☐

ग. चूहा बिल्ली बनकर मज़े से आश्रम में रहने लगा। ☐

घ. कुत्ता अपनी जान बचाने के लिए सिर पर पैर रखकर भाग लिया। ☐

भाषा एवं व्याकरण

1. दिए गए वाक्यों को उचित पदक्रम में लिखिए:

क. मुनि सेवा से चूहे का बिलकुल बच्चा ठीक हो गया। ______

ख. चूहा मुनि की में जाकर गोद छिप गया। ______

ग. मुनि ने देखा कि कुत्ते से रही थी बिल्ली डर। ______

2. एक से अनेक बनाकर लिखिए:

नदी – ______	कुटी – ______	बिल्ली – ______	मिठाई – ______
रजाई – ______	चटाई – ______	कुत्ता – ______	काँटा – ______

3. संधि-विच्छेद कीजिए:

तपोबल = ______	भग्नावस्था = ______
निष्काम = ______	ध्यानावस्था = ______
रजोगुण = ______	तपोभूमि = ______

✦ पढ़िए और समझिए:

अपनी जान बचाने के लिए कुत्ता सिर पर पैर रखकर भागा। क्या आपके सामने भी कभी ऐसा मौका आया, जब आप सिर पर पैर रखकर भागे हों?

सिर पर पैर रखकर भागना एक मुहावरा है जिसका अर्थ है—बहुत तेज़ भागना।

याद रखिए : भाषा में सरलता, रोचकता और सुंदरता लाने के लिए **मुहावरों** का प्रयोग किया जाता है।

4. अब दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:

क. घाव पर मरहम लगाना – ______ = ______

ख. मुँह में पानी भर आना – ______ = ______

ग. थर-थर काँपना – ______ = ______

घ. घात लगाकर बैठना – ______ = ______

रचनात्मक अभ्यास

1. मौखिक उत्तर दीजिए:

फॉरमेटिव असेसमेंट

क. मुनि का क्या नाम था?

ख. चूहे का बच्चा मुनि के सामने किस अवस्था में गिरा था?

ग. चूहा किस कारण थर-थर काँप रहा था?

घ. मुनि ने अपने तपोबल से अंत में चूहे को क्या बना दिया?

2. दी गई वर्ग-पहेली में बारह पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के नाम छिपे हैं। एक-एक कर उन्हें ढूँढ़कर नीचे दिए स्थान पर लिख दीजिए:

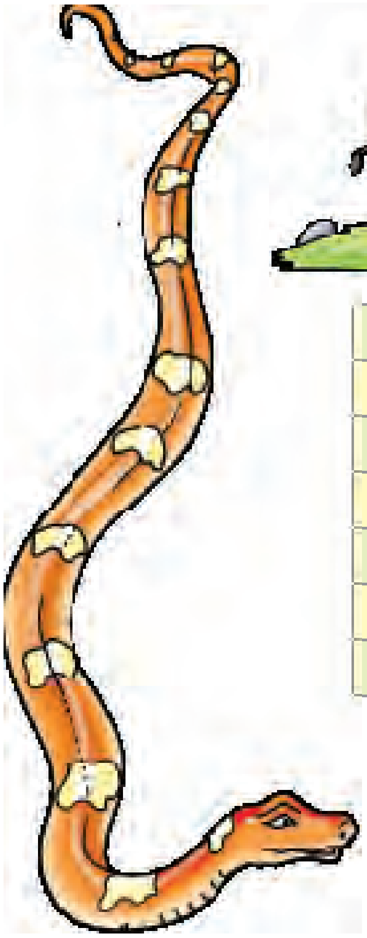

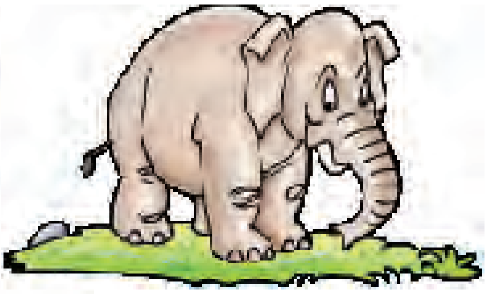

बा	ऊ	क	हा	थ	मी	हा	थी	क
ऊ	द	बि	ला	व	शे	र	लो	ल
हि	रे	म	द	साँ	प	म	गा	ना
बा	गैं	डा	ते	तो	ड़ी	की	बा	बं
सां	घ	मा	हि	रो	ता	गि	घ	द
भ	मैं	सा	र	स	को	तो	वा	र
र	पे	लि	ण	भे	ड़ि	या	क	न